Baba’s Praise

4/3/2015

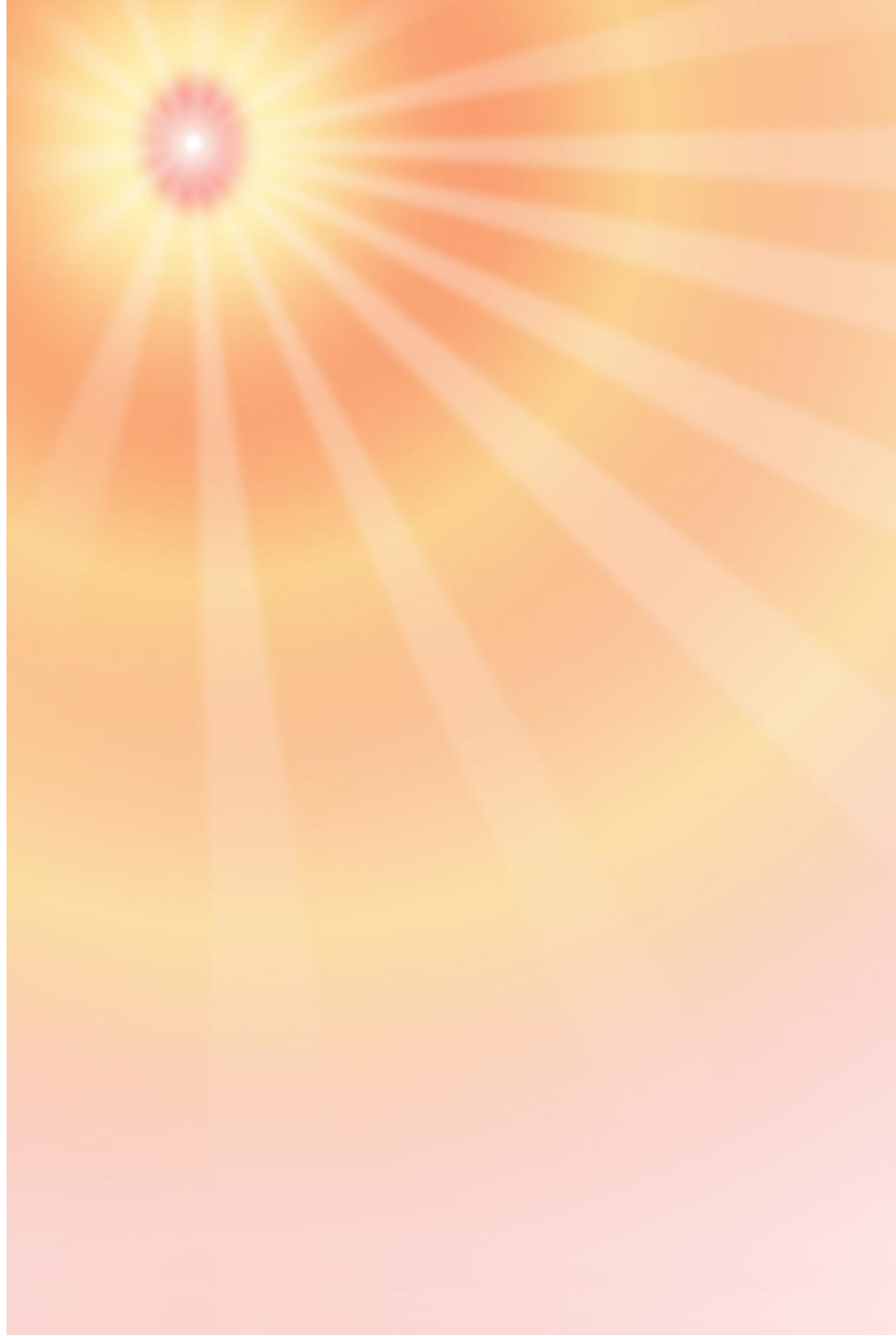

- ✓ त्रिमूर्ति बाप ने बच्चों को समझाया है । त्रिमूर्ति बाप है ना । तीनों को रचने वाला वह ठहरा सर्व का बाप क्योंकि ऊंच ते ऊंच वह बाप ही है ।

- ✓ सुखधाम है बाप की मिलकियत और दु:खधाम है रावण की मिलकियत । 5 विकारों में फँसने से दु:ख ही दु:ख है ।

- ✓ अब बच्चे जानते हैं-हम बाबा के पास आये हैं । वह बाप भी है, शिक्षक भी है परन्तु है निराकार ।

- ✓ वह है आत्माओं का बाप । यह सदैव बुद्धि में सिमरण होता रहे तो भी खुशी का पारा चढ़े ।

- ✓ बाप को बुलाते हैं हमको पतित से पावन बनाओ तो जरूर पतित शरीरों को खत्म करना पड़े ।

- ✓ ड्रामा का राज समझ गये ना । यह बाप के सिवाए और कोई में ताकत नहीं जो समझा सके ।

- ✓ बुद्धि में यह पक्का है कि ऊंच ते ऊंच शिवबाबा हैं, जिसकी हम सन्तान हैं ।
- ✓ राजाई भी बाप बिगर तो कोई दे न सके । इन लक्ष्मी-नारायण ने कोई लड़ाई से यह राज्य नहीं पाया है ।
- ✓ अभी बाबा आत्मा में संस्कार भर रहे हैं । वह बाप भी है, टीचर भी है, गुरू भी है ।
- ✓ कहते हैं मैं ज्ञान का सागर, सुख का सागर हूँ । तुमको भी बनाता हूँ । तुम भी सभी को सुख दो ।

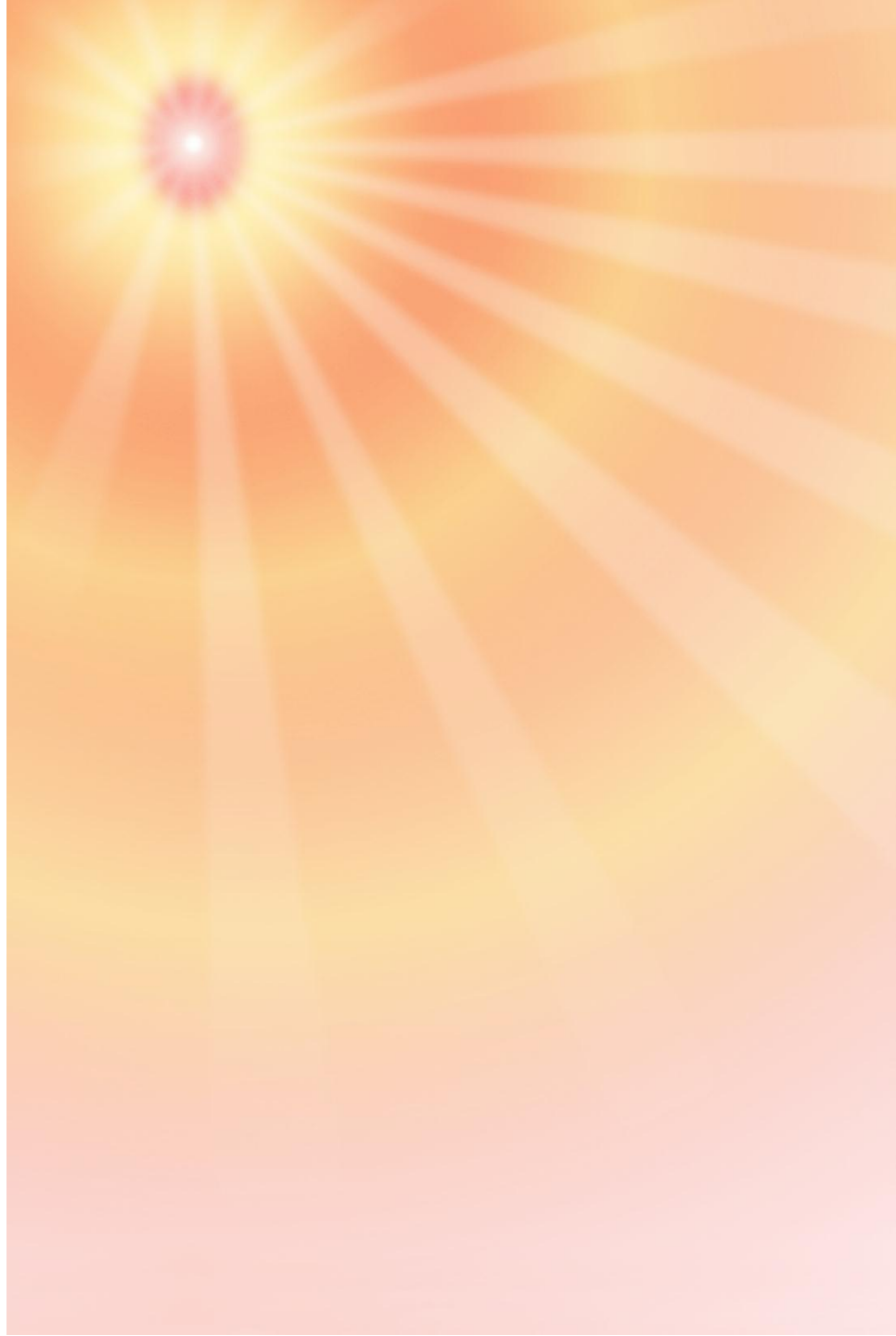

- ✓ आखरीन अखबार वाले भी डालेंगे । यह तो जानते हो अन्त में सब कहेंगे अहो प्रभू तेरी लीला आप ही सबको सद्गति देते हो । दु:ख से छुड़ाए सबको शान्तिधाम में ले जाते हो ।यह तो मनुष्य से देवता बनाते हैं, 21 जन्म के लिए । इस मनमनाभव के जादू से तुम लक्ष्मी- नारायण बनते हो । जादूगर, रत्नागर यह सब नाम शिवबाबा पर हैं, न कि ब्रह्मा पर ।

- ✓ बाप राजयोग सिखला रहे हैं । वही बाप रचयिता है, कृष्ण तो रचना है ना ।

- ✓ यह है रूहानी बाप, जो तुमको पढ़ाते हैं । इस शरीर द्वारा पढ़ती आत्मा है, न कि शरीर ।

- ✓ जानते हो बेहद के बाप से हम बेहद स्वर्ग का वर्सा लेते हैं तो उनकी श्रीमत पर चलना है । बाप की याद से ही सतोप्रधान बनना है । 63 जन्मों की कट चढ़ी हुई है ।

- ✓ तुम सबको हसीन बनाते हैं । बाप खुद हसीन है, परन्तु रथ यह लिया है ।

- ✓ बाप सर्वशक्तिमान है या ड्रामा? ड्रामा है फिर उनमें जो एक्टर्स हैं उनमें सर्वशक्तिमान कौन है? शिवबाबा । और फिर रावण ।

- ✓ बुद्धि में है शिवबाबा हमारा स्वीट बाप, टीचर, सतगुरू है । हमको भी बहुत स्वीट बनाते हैं ।